हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

विश्व सेवा संघ

P.R.G.I.No- UPHIN/2023/87335

सच्चाई की खबर

सिद्धार्थ नगर से प्रकाशित

वर्ष : 02 | अंक : 194 | (सिद्धार्थनगर) | सोमवार 20 जनवरी 2025 | पृष्ठ :4 | मूल्य : 1 रूपये

राहुल गांधी को नहीं पता कि इंदिरा और नेहरू ने संविधान के साथ कैसे छेड़छाड़ की: जेपी नड्डा

एजेंसी

अहमदाबाद। केंद्रीय मंत्री और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने रविवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है और वह नहीं जानते कि उनके पिता (राजीव), दादी (इंदिरा) और दादी के पिता (नेहरू) ने संविधान के साथ छेड़छाड़ करने के क्या–क्या प्रयास किए थे। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस ने 65 वर्षों तक देश पर शासन किया और उसके नेताओं ने संविधान के साथ छेड़छाड़ कर इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। वह भाजपा के श्संविधान गौरव अभियानश में बोल रहे थे।

हाल में, केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार, भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के खिलाफ एक टिप्पणी में श्इंडियन स्टेटश (भारतीय राज व्यवस्था) शब्द का इस्तेमाल करने को लेकर राहुल पर उन्होंने प्रहार किया। नड्डा ने कहा, श्आज हमारे कांग्रेस नेता कहते हैं कि वे इंडियन स्टेट (भारतीय राज व्यवस्था) के खिलाफ लड़ रहे हैं। उन्हें इतिहास का कोई ज्ञान नहीं है, न ही उनका इससे कोई लेना–देना है। उन्होंने कहा कि राहुल उन्हें सौंपे गए भाषणों की

सामग्री और संदर्भ को समझे बिना उन्हें सिर्फ पढ़ते हैं। राहुल ने हाल ही में कहा था, भाजपा और आरएसएस ने इस देश की हर एक संस्था पर कब्जा कर लिया है और अब हम भाजपा, आरएसएस और भारतीय राज व्यवस्था से लड़ रहे हैं।

नड्डा ने कहा, भारत अपना 76 वां गणतंत्र दिवस मनाने की तैयारी कर रहा है। ऐसे में हमें याद रखना चाहिए कि किसने संविधान के साथ छेड़छाड़ की और इसके बुनियादी प्रावधानों को नष्ट करने की कोशिश की। यह भी याद रखें कि किसने संविधान की रक्षा की और किसने बाबासाहेब आंबेडकर के विचारों की रक्षा करने के साथ उन्हें रेखांकित करने का काम किया। उन्होंने कहा कि नागरिकों को उन पाखंडी लोगों से सचेत और सावधान रहना चाहिए जो संविधान को पढ़े बिना इसकी प्रति लेकर घूमा करते हैं।

राहुल भाजपा पर हमला करने के लिए अक्सर अपनी चुनावी रैलियों में संविधान की प्रति अपने साथ रखते हैं। नड्डा ने कहा, उन्हें (राहुल को) नहीं पता कि उनके पिता (राजीव गांधी), दादी (इंदिरा गांधी) और दादी के पिता (जवाहरलाल नेहरू) ने क्या किया था। उन्हें ये बातें पता होनी चाहिए। उन्होंने आंबेडकर को उद्धृत करते हुए कहा कि भले ही संविधान खराब हो, फिर भी इसे अच्छा किया जा सकता है अगर इसे लागू करने वालों की मंशा सही हो। नड्डा ने कहा कि कांग्रेस नेता बुरे थे, लेकिन भाजपा के नेता श्अच्छेश हैं जिन्होंने अनुच्छेद 370 को खत्म (जम्मू–कश्मीर में) करने जैसे कदम उठाए, 'एक देश एक कर' लागू किया और समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

भाजपा अध्यक्ष ने कहा, जब 1949 में संविधान को अंगीकार किया जा रहा था, तो डॉ. आंबेडकर ने कहा था कि संविधान कितना भी अच्छा क्यों न हो, अगर इसे लागू करने वाला बुरा है, तो यह विफल हो जाएगा। नड्डा ने कहा कि अनुच्छेद 370 और अनुच्छेद 35(ए) को आंबेडकर के विरोध के बावजूद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू द्वारा लागू किया गया और इन प्रावधानों ने जम्मू–कश्मीर के लोगों को संविधान में निहित बुनियादी अधिकारों से वंचित कर दिया। उन्होंने कहा कि कुछ प्रावधानों ने जम्मू कश्मीर को अस्त–व्यस्त कर दिया था जिसे केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने निरस्त कर दिया। उन्होंने कहा, श्आंबेडकर और (जनसंघ संस्थापक) यामा प्रसाद मुखर्जी ने भी इन प्रावधानों का विरोध किया था। हमारी संसद में पारित किए गए 126 कानूनों को जम्मू–कश्मीर में लागू नहीं किया गया, जिससे वहां के लोग कई अधिकारों से वंचित हो गए।

नड्डा ने कहा, इंदिरा गांधी लुभावने नारे देकर देश को गुमराह करना चाहती थीं। इसलिए उन्होंने संविधान में पंथनिरपेक्षता और समाजवाद शब्द जोड़े। नड्डा ने कहा कि संविधान अच्छे लोगों के तहत कैसे काम करता है, इसे इस बात से देखा जा सकता है कि किस तरह से 'एक राष्ट्र, एक कर' लागू किया गया है, किस तरह देश समान नागरिक संहिता की ओर बढ़ रहा है, कैसे अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) आयोग को संवैधानिक दर्जा दिया गया और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) को 10 प्रतिशत आरक्षण दिया गया।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, आपको खराब और अच्छे लोगों के बीच का अंतर समझना चाहिए...जब आपने मोदी को प्रधानमंत्री बनाया, तो 6 अगस्त 2019 को मोदी की इच्छा शक्ति और अमित शाह की रणनीति ने अनुच्छेद 370 को खत्म करने में मदद की।

आपातकाल (1975–77) की ओर इशारा करते हुए नड्डा ने कहा कि इंदिरा गांधी ने संविधान के साथ छेड़छाड़ की और 1.35 लाख लोगों को जेल में डाल दिया, जिससे कई परिवार बर्बाद हो गए। नड्डा ने कहा कि यह गर्व की बात है कि आपातकाल के दौरान जेल गए ज्यादातर लोग हमारी विचारधारा वाले थे।

उन्होंने 39वें और 42वें संविधान संशोधन (न्यायिक दायरे को सीमित करने और राज्यों से केंद्र को शक्तियां हस्तांतरित करने के लिए आपातकाल के दौरान पारित) का हवाला दिया, जो तत्कालीन इंदिरा गांधी सरकार द्वारा लागू किए गए थे।

राष्ट्रपति मुर्मू श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार सम्मान समारोह में शामिल होंगी

एजेंसी

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अप्रैल में गुवाहाटी में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में शामिल होंगी, जिसमें इस वर्ष का श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार साहित्य, कला, संस्कृति और पत्रकारिता के क्षेत्र में प्रतिष्ठित व्यक्तियों को दिया जाता है।

मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शनिवार को राष्ट्रपति को निमंत्रण दिया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। शर्मा ने 'एक्स' पर लिखा, ''मुझे माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू जी से मुलाकात करने का सौभाग्य मिला। मैं माननीय राष्ट्रपति का बहुत आभारी हूं कि उन्होंने हमारे राज्य का दौरा करने और अप्रैल 2025 में श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान करने का हमारा निमंत्रण स्वीकार किया। उनका बहुमूल्य समय और मार्गदर्शन सचमुच सराहनीय है।'' इस पुरस्कार का नाम असम के वैष्णव संत और सुधारक श्रीमंत शंकरदेव के नाम पर रखा गया है। असम सरकार 1986 से साहित्य, कला, संस्कृति, पत्रकारिता आदि के क्षेत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त करने वाले व्यक्तियों को राष्ट्रीय स्तर का श्रीमंत शंकरदेव पुरस्कार प्रदान करती रही है।

Dallewal के चिकित्सा सहायता लेने पर 121 किसानों ने अपना आमरण अनशन समाप्त किया

एजेंसी

चंडीगढ़। किसान नेता जगजीत सिंह डल्लेवाल के चिकित्सा सहायता लेने के बाद उनके साथ एकजुटता दिखाने के लिए खनौरी विरोध स्थल पर आमरण अनशन पर बैठे 121 किसानों के एक समूह ने अपना अनिश्चितकालीन अनशन समाप्त कर दिया। डल्लेवाल (70) ने 26 नवंबर को आमरण अनशन पर बैठने के बाद कोई भी चिकित्सा सहायता को लेने से इनकार कर दिया था, लेकिन किसानों की मांगों पर चर्चा के लिए 14 फरवरी को बातचीत के लिए केंद्र का आमंत्रण मिलने के बाद वह शनिवार को चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गये उनकी तबीयत बिगड़ने और सरकार द्वारा उनकी मांगें नहीं मानने पर 111 किसानों का एक समूह खनौरी के पास हरियाणा की सीमा में 15 जनवरी को डल्लेवाल के आमरण अनशन में शामिल हो गया। इसके बाद 17 जनवरी को हरियाणा के 10 और किसान उनके साथ जुड़ गए। पुलिस उपमहानिरीक्षक मनदीप सिंह सिद्धू और पटियाला के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक नानक सिंह की मौजूदगी में 121 किसानों ने जूस पीकर अपना अनशन समाप्त किया। केंद्रीय कृषि मंत्रालय के संयुक्त सचिव प्रिय रंजन के नेतृत्व में एक उच्च–स्तरीय केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने शनिवार को किसान नेता डल्लेवाल और संयुक्त किसान मोर्चा (गैर–राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा के प्रतिनिधियों से मुलाकात की और उन्हें चंडीगढ़ में 14 फरवरी को वार्ता फिर से शुरू करने के लिए आमंत्रित किया। प्रस्तावित बैठक की घोषणा के बाद डल्लेवाल चिकित्सा सहायता लेने पर सहमत हो गए। इसके बाद डल्लेवाल ने 'इंट्रावीनस ड्रिप' के जरिये चिकित्सा सहायता ली। हालांकि, किसान नेताओं ने कहा कि डल्लेवाल अपना अनिश्चितकालीन अनशन तब तक खत्म नहीं करेंगे, जब तक कि फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी नहीं दी जाती।

संक्षिप्त समाचार

सिलेंडर फटने से टेंट में लगी आग, घटना स्थल पर पहुंचे योगी आदित्यनाथ

एजेंसी

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ मेले में रविवार शाम को सेक्टर 19 कैंपसाइट क्षेत्र में दो से तीन गैस सिलेंडरों में विस्फोट के बाद भीषण आग लग गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्थिति का आकलन करने और आपातकालीन प्रतिक्रिया उपायों की समीक्षा करने के लिए आग स्थल पर पहुंचे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने योगी आदित्यनाथ से बात की और आग की घटना के बारे में जानकारी मांगी। सुरक्षा व्यवस्था के तहत पहले से ही आयोजन स्थल पर खड़ी कई दमकल गाड़ियां घटना की सूचना मिलने के तुरंत बाद घटनास्थल पर पहुंचीं और बचाव कार्य शुरू किया। स्थानीय अधिकारियों ने पुलिस और अग्निशमन विभागों के साथ समन्वय करके तुरंत प्रयास शुरू किए और कुछ ही समय में आग पर सफलतापूर्वक काबू पा लिया। एडीजी भानु भास्कर ने कहा, श्हमें 04:08 बजे सूचना मिली की एक सिलेंडर फटने के कारण सेक्टर 19 में आग लगी है। 3 मिनट में हमारे उत्तर प्रदेश पुलिस और फायर सर्विस के लोग मौके पर पहुंच गए। स्वंय सेवी संस्थान की भी मदद ली गई और लोगों को निकाल लिया गया। स्थल को खाली कराने के बाद आग पर काबू पाया गया। 4:30 बजे आग पर काबू पा लिया गया।

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने त्रिवेणी संगम में लगाई डुबकी

एजेंसी

राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार सुबह महाकुंभ में त्रिवेणी संगम में स्नान करके पूजा अर्चना की। यहां संगम तट पर एक अधिकारी ने बताया कि शर्मा शनिवार देर रात मेला क्षेत्र में सेक्टर सात में स्थित राजस्थान मंडप पहुंचे। उन्होंने सुबह नाव से त्रिवेणी संगम का भ्रमण किया। अधिकारी ने बताया कि मुख्यमंत्री ने त्रिवेणी घाट पर डुबकी लगाने के बाद मां गंगे की पूजा अर्चना की

औरदूध एवं गंगा जल से भगवान महादेव का अभिषेक भी किया। उन्होंने बताया कि शर्मा ने बड़े हनुमान जी मंदिर के दर्शन भी किए। अधिकारी ने कहा कि महाकुंभ के आयोजन को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रशंसा की और कुंभ के कुशल संचालन के लिए बधाई दी। इससे पहले, मुख्यमंत्री शर्मा का शनिवार देर रात प्रयागराज हवाईअड्डे पर उत्तर प्रदेश के मंत्री नंद गोपाल नंदी ने स्वागत किया, जिसके बाद उन्होंने महाकुंभ में बने राजस्थान मंडप का भ्रमण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने राजस्थान के विभिन्न जनपदों से आए श्रद्धालुओं से भी भेंट की।

अंतरराष्ट्रीय शूटर मनु भाकर की नानी और मामा की सड़क दुर्घटना में मौत

पेरिस ओलंपिक पदक विजेता और अंतरराष्ट्रीय निशानेबाज मनु भाकर की नानी और मामा की रविवार को यहां दादरी थाना क्षेत्र में एक सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि वे दोनों चरखी दादरी के महेंद्रगढ़ बाइपास रोड पर स्कूटी से जा रहे थे, तभी एक कार ने उनकी स्कूटी को टक्कर दे मारी। दादरी थाने के जांच अधिकारी सहायक पुलिस निरीक्षक (एएसआई) सुरेश कुमार ने बताया कि टक्कर इतनी भयानक थी कि दोनों की मौके पर ही मौत हो गई तथा इस दुर्घटना के तुरंत बाद वाहन चालक मौके से फरार हो गया। उन्होंने बताया कि मृतकों की पहचान मनु भाकर की नानी सावित्री देवी (70) और मामा युद्धवीर (50) के तौर पर हुई है जो हरियाणा रोडवेज में चालक थे। कुमार ने बताया कि पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए भिजवा दिया है। उनके मुताबिक, पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। दो दिन पहले मनु भाकर को राष्ट्रपति ने मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया था

दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीएनबी पाठ्यक्रम में दाखिला संबंधी याचिका पर एनबीई से पक्ष रखने को कहा

दिल्ली उच्च न्यायालय ने 'डिप्लोमेट ऑफ नेशनल बोर्ड' (डीएनबी) नामक पोस्ट–डिप्लोमा पाठ्यक्रम को छोड़ चुके अभ्यर्थियों पर दो साल के लिए किसी अन्य डीएनबी पाठ्यक्रम में दाखिला देने पर लगाए गए प्रतिबंध के खिलाफ दायर याचिका पर राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड (एनबीई) से पक्ष रखने को कहा है। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा ने एक अभ्यर्थी की उस याचिका पर एनबीई को नोटिस जारी किया, जिसमें कहा गया है कि डीएनबी पाठ्यक्रम प्रवेश के लिए प्रतिबंध एकपक्षीय है और मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता ने कहा कि डीएनबी कोर्स शुरू करने के तुरंत बाद, उन्हें छत्तीसगढ़ के अपने अस्पताल से इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि उनके लिए ''कष्टदायक माहौल'' में पढ़ाई जारी रखना मुश्किल हो गया था। याचिकाकर्ता की तरफ से पैरवी कर रही ।

जनता के बीच खराब छवि वाले लोगों के लिए राकांपा में कोई जगह नहीं: अजित पवार

एजेंसी

शिरडी। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार ने कहा कि जनता के बीच खराब छवि वाले किसी भी व्यक्ति के लिए उनकी पार्टी राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) में कोई जगह नहीं है। अजित ने कहा कि गलत काम करने वालों को पार्टी से निकाल दिया जाएगा। वर्ष 2023 में अपने चाचा शरद पवार के खिलाफ बगावत कर राकांपा पर दावा करने वाले अजित पवार ने कहा कि भविष्य राकांपा का है। उन्होंने शिरडी में राकांपा सम्मेलन में अपने समापन भाषण में कहा, ''गांवों और हर गली–मोहल्ले में राकांपा कार्यकर्ता का आधार तैयार किया जाना चाहिए। सभी को समन्वय के साथ काम करना चाहिए।'' महाराष्ट्र में 20 नवंबर को हुए विधानसभा चुनाव में राकांपा ने 41 सीटें जीतीं, जो शरद पवार की अगुवाई वाली राकांपा (शरदचंद्र पवार) से चार गुना ज्यादा है। अजित ने कहा, ''विधानसभा चुनाव के बाद हमारी

जिम्मेदारी बढ़ गई है। आगामी स्थानीय निकाय चुनाव लड़ने के आकांक्षी लोगों को 25 घरों के समूह से वोट सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार कार्यकर्ताओं का चयन करना चाहिए। अगर 25 घरों में से प्रत्येक से चार वोट (राकांपा के लिए) डाले जाते हैं, तो हमें 100 वोट मिलेंगे।''उन्होंने राकांपा कार्यकर्ताओं से युवाओं, डॉक्टरों, इंजीनियरों और वकीलों को पार्टी से जोड़ने की अपील की। अजित ने कहा कि राकांपा से लोग जुड़ रहे हैं, लेकिन पार्टी को एकजुट रहना चाहिए और इसकी छवि प्रभावित नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा, ''जनता के बीच खराब छवि वाले व्यक्ति के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है। कोई भी गलत आचरण नहीं होना चाहिए। जो लोग गलत काम करेंगे, उन्हें पार्टी से निकाल दिया जाएगा।'' अजित की यह टिप्पणी सरपंच संतोष देशमुख हत्या मामले में राकांपा नेता और महाराष्ट्र के मंत्री धनंजय मुंडे की विपक्षी दलों द्वारा की गई आलोचना की पृष्ठभूमि में आई है। उन्होंने चिकित्सा सहायता और ''आश्वासन कार्यान्वयन'' प्रकोष्ठों के गठन की घोषणा की। उन्होंने कहा, ''चिकित्सा सहायता प्रकोष्ठ हर मंत्री के कार्यालय में होगा। अजित ने कहा कि राकांपा गणेश उत्सव तक हर निर्वाचन क्षेत्र में कम से कम एक चुनावी वादा पूरा करने की कोशिश करेगी।

Arvind Kejriwal पर हमले को लेकर आमने सामने AAP और BJP, आप नेताओं के आरोपों पर प्रवेश वर्मा ने किया पलटवार

आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रविवार को आरोप लगाया था कि नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र में चुनाव प्रचार के दौरान अरविंद केजरीवाल पर श्वर्मा के गुंडोंश ने हमला किया था। आप नेताओं के आरोपों पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार प्रवेश वर्मा ने पलटवार किया। उन्होंने आम आदमी पार्टी पर अरविंद केजरीवाल पर हमले की फर्जी कहानी गढ़ने का आरोप लगाया। वर्मा ने रविवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में लिखित में दिया कि वह केजरीवाल को 20,000 मतों से हराएंगे। भाजपा नेता ने दावा किया कि केजरीवाल परेशान और बेचैन हैं क्योंकि उन्होंने 2020 के विधानसभा चुनाव से पहले दिल्ली के लोगों से किए गए 10 वादों में से एक भी पूरा नहीं किया है और अब महिलाएं और युवा उनसे सवाल पूछ रहे हैं। वर्मा ने आरोप लगाया, श्एक वाहन, जिसमें केजरीवाल खुद बैठे थे, ने तीन स्थानीय युवकों को टक्कर मार दी लेकिन आप उन पर (आप संयोजक पर) हमले की झूठी कहानी बना रही है।श भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि उन्होंने निर्वाचन आयोग से शिकायत की है और वीडियो सबूत भी प्रस्तुत किये हैं। आप ने आरोप लगाया है कि जिन लोगों ने कथित तौर पर केजरीवाल पर हमला किया, वे वर्मा के 'गुंडे' थे। इस पर भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि नयी दिल्ली निर्वाचन क्षेत्र के पूरे एक लाख मतदाता उनका परिवार हैं। कि निर्वाचन क्षेत्र के लोग गुंडे हैं। केजरीवाल की जानकारी के लिए उनके वाहन की चपेट में आए तीन स्थानीय युवक भी स्थानीय मतदाता हैं।

दीपिका पाटीदार ने चार बार असफल होकर लिखी अपनी सफलता की कहानी, यूं ही नहीं बनी एमपीपीएससी टॉपर

एजेंसी

मध्य प्रदेश लोक सेवा

आयोग (एमपीपीएससी) ने शनिवार शाम राज्य सेवा परीक्षा 2022 का परिणाम घोषित कर दिया। इस परीक्षा में महिलाओं ने शानदार प्रदर्शन किया। बता दें, शीर्ष 10 सफल उम्मीदवारों में छह महिलाएं हैं। राज्य सेवा परीक्षा 2022 में दीपिका पाटीदार ने टॉप किया है। उनके अलावा शीर्ष 10 उम्मीदवारों में क्रमशः आदित्य नारायण तिवारी, सुरभि जैन, महिमा चौधरी, धर्मप्रकाश मिश्रा, शानू चौधरी, स्वाति सिंह, उमेश अवस्थी, कविता देवी यादव और प्रत्यूष श्रीवास्तव शामिल हैं।

राज्य सेवा परीक्षा 2022 में टॉप करने वाली दीपिका पाटीदार का चयन उप जिला मजिस्ट्रेट (डिप्टी कलेक्टर) के पद पर हुआ है। हालांकि दीपिका का इस पद तक पहुंचने का सफर इतना आसान नहीं था। दीपिका ने बताया कि उन्होंने चार बार परीक्षा में असफल होने के बाद यह मुकाम हासिल किया है।

मीडिया से बात करते हुए दीपिका ने बताया कि उन्होंने गांव के सरकारी स्कूल से 10वीं तक की पढ़ाई की। इसके बाद उन्होंने पाटीदार समाज के बोर्डिंग स्कूल से 11वीं और 12वीं की पढ़ाई पूरी की। इंटरमीडिएट के बाद उन्होंने होलकर साइंस कॉलेज से ग्रेजुएशन की पढ़ाई पूरी की।दीपिका ने आगे बताया कि कॉलेज के बाद उन्होंने प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि मेरा सफर 2016 से शुरू हुआ। दो साल दिल्ली में रहकर सिविल सर्विसेज की तैयारी की। इसके बाद 2018–19 में इंदौर आ गई। फिर यहीं रहकर सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने लगी। दीपिका ने बताया कि वह 4 बार असफल हुई हूं लेकिन पांचवां प्रयास उनके लिए शानदार साबित हुआ। इसमें उनकी पहली रैंक आई। दीपिका ने बताया कि उन्होंने अपनी असफलता से सीख ली और यहीं कारण है कि वह आज सफलता का परिणाम देख पा रही हैं।

विश्वास नगर के दिल में क्या है, केजरीवाल लहर में भी यहां ओपी शर्मा ने खिलाया था कमल

एजेंसी

अगले महीने 5 फरवरी को होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनाव में अब महज कुछ दिन ही शेष रह गए हैं। जिसको लेकर टीम दिल्ली के अलग–अलग विधानसभा क्षेत्रों का भ्रमण कर रही है। इस दौरान हमारी टीम ने विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र में पहुंचकर लोगों से चुनावी माहौल को समझने की कोशिश की है। पिछले दो चुनाव से आम आदमी पार्टी की लहर होने के बावजूद भी यहां भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार ओपी शर्मा कमल खिलाने में कामयाब रहे थे।

बातचीत के दौरान विश्वास नगर विधानसभा क्षेत्र की महिलाओं ने कहा कि इस क्षेत्र में पानी की समस्या सबसे बड़ी है। क्षेत्र में लोगों के घरों में गंदा पानी आता है, जिसके कारण उन्हें बाहर से बोतल खरीद कर पानी पीने के लिए मजबूर होना पड़ता है। इसलिए स्थानीय विधायक समेत दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस समस्या की ओर प्रमुखता से ध्यान देना चाहिए। इस बार के प्रमुख चुनावी मुद्दों को लेकर लोगों ने बताया कि अरविंद केजरीवाल ने 2100 रुपए का झुनझुना देकर वोट पाने की कोशिश जरूर की है जिसमें वे सफल नहीं होंगे। इस दौरान उन्होंने बीजेपी के द्वारा प्रचार का एक प्रमुख मुद्दा बनाए जा रहे दिल्ली के मुख्यमंत्री के सरकारी आवास शीश महल का भी मुद्दा उठाया।

क्षेत्र की गलियों में पड़े हुए कचरे के ढेर को लेकर युवा मतदाताओं ने विधायक ओपी शर्मा की कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि उन्होंने यहां के विकास में कोई रुचि नहीं दिखाई है और वे पिछले 12 सालों से विधायक हैं। जिसमें वह मुश्किल से 12 बार ही आम लोगों से मिले होंगे। विधानसभा क्षेत्र के बच्चों ने भी गलियों में जल भराव को एक प्रमुख मुद्दा बताया है। विश्वास नगर के एक अन्य बुजुर्ग मतदाता ने बताया कि ओपी शर्मा के कार्यकाल के समय क्षेत्र में बहुत से विकास के कार्य हुए हैं लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली की हालत बद से बदतर तार की कर दी है। इसीलिए इस बार राजधानी की जनता अपना मुख्यमंत्री बदलने का विचार पूरी तरह से बना चुकी हैय

उन्होंने कहा कि अरविंद केजरीवाल लोगों से झूठा वादा करके उनको बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। विश्वास नगर क्षेत्र में एक दिलचस्प नजारा भी हमारी टीम को देखने को मिला, जहां कई जगह पोस्टर लगे थे जिसमें बड़े–बड़े अक्षरों में लिखा था श्भाजपा का था और रहूंगा लेकिन ओपी शर्मा का नहीं, इसीलिए इस बार मेरा वोट नोटा को।श जिसको देखकर साफ तौर पर कहा जा सकता है कि इस क्षेत्र के कई भाजपा समर्थक और पार्टी कार्यकर्ता भी अपने विधायक से खुश नहीं है। यहां की कई गरीब महिलाओं ने पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की तारीफ करते हुए कहा कि उनके शासन के दौरान महिलाओं को काफी राहत मिली है।

बिजली और पानी फ्री करने के साथ–साथ उन्होंने सड़कों और नालियों का भी बड़े पैमाने पर विकास किया है।

सम्पादकीय

डर कर जीने के फायदे

इस खूबसूरत दुनिया के कई देशों के नागरिकों को धर्म, राजनीति, क्षेत्रवाद और जाति जैसी जरूरी वस्तुओं बारे सोचने का समय नहीं होता। वे दूसरे फालतू काम करते रहते हैं। हमारे यहां यह चीजें खूब प्रयोग होती हैं और आम लोगों को डराकर, उलझाकर रखती हैं। ऐसा माना जाता है कि डरने से दिमाग का वह हिस्सा सक्रिय हो जाता है जो हमें सतर्क व सजग रहने को प्रेरित करता है। कुछ लोग क्राइम सीरियल देखकर या जुर्म करने वालों से भी सतर्क और सुरक्षित हो जाते हैं। क्राइम कैसे करें यह भी सीख जाते हैं लेकिन डर के कारण ही समाज में फैले खतरों बारे जागरूक रहते हैं और अपनी देखभाल भी करते हैं। बिना भय के खतरा ही रहता है। अगर डर नहीं रहेगा तो हम अपनी लड़ने या भागने की उर्जा, गति, शक्ति और ध्यान कैसे बनाए रखेंगे। वैसे भी जीने के दो तरीके हैं डर कर या डराकर। बंदा डर कर ही भागता है डराकर नहीं। डराकर जीने वाला अपनी सुरक्षा का प्रबंध भी तैयार रखता है जैसे कि राजनीतिक, धार्मिक शक्तिशाली लोग, गलत तरीके से धन कमाने और जमीन हथियाने वाले। डरने वाले करोड़ों आम लोगों को असुरक्षा भी ज्यादा परेशान नहीं करती। किसी जमाने में कहा जाता था, जो डर गया वो मर गया, लेकिन बदलते समय में यह गलत साबित हो चुका है। अब तो डरने वाला, चुप और शांत रहने वाला समाज सभी सुख सुविधाएं प्राप्त करता है। डर के आगे ही जीत नहीं है बलिक डर के ऊपर, नीचे, दाएं बाएं, अडोस पडोस में सफलता के झंडे लहरा रहे हैं। शासक और प्रशासक मुस्कुराते हुए डराता है और प्रजा उसकी जय जयकार करती है, इस तरह दोनों की सकारात्मकता में बढ़ोतरी हो जाती है। डराने और डरने को सामाजिक स्वीकृति मिल जाती है। अब तो डराने के लिए नए रास्ते खोजे जा रहे हैं ताकि ताजगी बरकरार रहे और डरने वाला इंतजार में रोमांचित रहे। अब यह पता नहीं चलता कि डराने वाला कौन सा नया इरादा इस्तेमाल कर ले, जैसे मनोरंजन के ठेकेदारों ने उन्मुक्त फिल्में और सिरीज बनाकर दर्शकों की नैतिकता को नए रोमांचक तरीकों से डराना शुरू कर दिया है। हंसाने का कारोबार शबाब पर है लेकिन हंसने हंसाने वालों को शायद पता न हो कि मानव शरीर और मन को सहज स्थिति में लाने में हंसने से ज्यादा रोना कारगर माना गया है। रोना अवश्य ही डरने से आगे की स्थिति है। डराना अब सामाजिक, नैतिक, धार्मिक, राजनैतिक व आर्थिक व्यवसाय है और जो व्यक्ति इन माध्यमों से नहीं डरता उसे ताकत, गाली, नफरत, गोली या शब्दों से ही अच्छा खासा डराने का प्रयास किया जाता है और डरा भी दिया जाता है। सफल और संतुष्ट जीवन के लिए डरना जरूरी है।

सत्ता की बैसाखी पर टिके होने से बदल जाते हैं नेताओं के सुर

योगेंद्र योगी

बिहार लोक सेवा आयोग की परीक्षा को रद्द करने की मांग को लेकर आंदोलित प्रदेश के युवाओं की मांग पर भारतीय जनता पार्टी की चुप्पी आश्चर्यजनक नहीं है। दरअसल भाजपा न सिर्फ बिहार नीतिश सरकार में शामिल है, बल्कि केंद्र में भी उसी की बैसाखियों पर टिकी है। ऐसे में मुद्दा जनहित का हो या न हो, इससे भाजपा को फर्क नहीं पड़ता। इससे पार्टी के उसूलों पर भी आंच नहीं आती। इसी भाजपा ने राजस्थान में कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ पेपर लीक प्रकरणों में विरोध प्रदर्शनों में कोई कोर–कसर बाकी नहीं रखी। यह दोहरा चरित्र अकेले भाजपा का हो ऐसा नहीं है। जिस प्रदेश या केंद्र में जिस भी दल की सरकार होती है, वहां की सत्तारुढ़ पार्टी का रवैया ऐसा ही होता है। केंद्र में कांग्रेस शासन के दौरान सहयोगी दलों के घपले–घोटाले इसका प्रमाण रहे हैं। सत्ता के लिए गठबंधन की मजबूरी से ऐसा करना देश की राजनीति का चरित्र बन गया है। सत्ता में होने पर पार्टी को कुछ गलत नजर नहीं आता और विपक्ष में आते ही मुद्दे और तरीके बदल जाते हैं।

बिहार में 13 दिसंबर को विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर बीपीएससी की 70वीं पीटी परीक्षा आयोजित की गई थी। परीक्षा के दिन से ही अभ्यर्थी परीक्षा में गड़बड़ी का आरोप लगाकर इसे रद्द करके फिर से कराने की मांग की। अभ्यर्थियों ने आरोप लगाया कि पटना के बापू एग्जाम सेंटर पर छात्रों को पेपर देरी से मिला था और पेपर की सील पहले से खुली हुई थी। छात्र प्रदर्शनकारियों के पटना के गांधी मैदान से मुख्यमंत्री आवास की ओर मार्च करने पर पुलिस द्वारा किए गए लाठीचार्ज और वाटर कैनन का इस्तेमाल ने छात्रों और उनके संगठनों के आक्रोश को और बढ़ा दिया।

बिहार की तरह राजस्थान भी कांग्रेस शासन के दौरान पेपर लीक प्रकरणों के कारण सुर्खियों में रहा है। राजस्थान की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार में हुई प्रतियोगिता परीक्षाओं में एक के बाद एक पेपर लीक के मामले सामने आए। सब इंस्पेक्टर भर्ती, सीएचओ भर्ती, लाइब्रेरियन भर्ती और वरिष्ठ अध्यापक भर्ती सहित कई परीक्षाओं के पेपर लीक होने के खुलासे हुए। राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से व्याख्याता भर्ती 2022 की परीक्षा का पेपर लीक होने का मामला सामने आया। पेपर लीक मामले में उलझी सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2021 को लेकर प्रदेश के लाखों युवाओं में हर ताजा अपडेट का इंतजार है। पेपर लीक और डमी अभ्यर्थियों के जरिए सैंकड़ों युवाओं ने नौकरी हासिल कर ली थी। इस मामले की जांच करने वाली एसओजी ने भी व्यापक स्तर पर पेपर लीक होना माना और इस परीक्षा को रद्द करने की सिफारिश पुलिस मुख्यालय को भेजी थी। पुलिस मुख्यालय और मंत्रिमंडलीय उपसमिति ने भी परीक्षा को रद्द करने की सिफारिश की, लेकिन सरकार ने इस भर्ती परीक्षा को अभी तक रद्द नहीं किया।

राज्य सरकार ने एसआई भर्ती 2021 में चयनित सभी ट्रेनी सब इंस्पेक्टरों के आगामी प्रशिक्षण पर रोक लगा दी। सरकार ने यह निर्णय राजस्थान हाई कोर्ट के निर्देश के बाद लिया। एक साल की लंबी एक्सरसाइज में अभी तक 50 सब इंस्पेक्टर पकड़े गए हैं। आरपीएससी के सदस्य पकड़े गए। आश्चर्य की बात यह है कि राजस्थान में भाजपा सरकार केही एक केबीनेट मंत्री अपनी ही सरकार के फैसलों पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठा रहे हैं। कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा ने सब इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा को रद्द करने की मांग कर रहे हैं, जबकि सत्तारुढ़ भाजपा अभी तक इस पर कोई फैसला नहीं कर सकी। अनुशासित माने जानी वाली भाजपा की मजबूरी है कि मीणा के खिलाफ पार्टी और सरकार की लाइन से अलग हट कर चलने को लेकर कार्रवाई नहीं कर सकी। इसमें भाजपा को मीणा के साथ जुड़े मीणा वोट बैंक के खिसकने का डर है। सत्ता के लिए राजनीतिक दल किस हद तक उसूलों को ताक पर रख देते हैं, मीणा के खिलाफ कार्रवाई नहीं करना इसका उदाहरण है। मीणा मंत्री पद से इस्तीफा तक दे चुकें हैं, हालांकि उन्होंने इस्तीफा लोकसभा चुनाव में भाजपा के खराब प्रदर्शन पर अपनी जिम्मेदारी मानते हुए दिया था। पार्टी ने अनुसूचित जाति में कोई गलत संदेश नहीं जाए, इसलिए मीणा का इस्तीफा स्वीकार नहीं किया। वोट बैंक के लिए समझौते की ऐसी अनोखी मिसाल देश में शायद ही कहीं देखने को मिले, जहां एक नेता के मंत्रीपद से इस्तीफे को स्वीकार नहीं किया गया, बल्कि उसकी पार्टी विरोधी कार्रवाई झेलने को भी पार्टी मजबूर है। दरअसल ऐसे सार्वजनिक विवादित मुद्दों पर किसी भी सरकार के लिए फैसला लेना आसान नहीं होता। सरकारें एक तरफ जहां रोजगार देने के लिए अपनी छवि सुधारने में लगी होती हैं, वहीं दूसरी तरफ फिर से परीक्षा करवाने की कवायद खर्चीली और देरी करने वाली होती है। राज्यों में सत्तारुढ़ पार्टी के सामने समस्या यह भी होती है कि पेपर लीक होने से चुनिंदा लोगों को हुए फायदे के कारण परीक्षा रद्द करवाने से हजारों–लाखों अभ्यर्थियों के हितों का नुकसान नहीं किया जा सकता। ऐसे में सत्तारुढ़ दलों को दोनों तरफ से युवाओं की नाराजगी का खतरा होता है। यदि पेपर निरस्त करा दिया तो योग्यता सूची में आए अभ्यर्थियों की नाराजगी और नहीं कराया तो प्रदर्शनाकारियों की।

ऐसे हालात का विपक्षी दल फायदा उठाने से नहीं चूकते, जैसा कि बिहार के मामले में निर्दलीय सांसद पप्पू यादव ने किया। सांसद यादव को बिहार प्रशासनिक सेवा आयोग से नाराज प्रदर्शनकारी युवाओं की सहानुभूति का फायदा मिल गया। ठीक यही स्थिति राजस्थान में मंत्री डॉ. किरोड़ी लाल मीणा के साथ है। यहां सत्तारुढ़ पार्टी भाजपा के ही वरिष्ठ नेता और काबीना मंत्री मीणा अपनी ही सरकार और पार्टी को आईना दिखाने में लगे हुए हैं। इसके पीछे भी वोट बैंक की राजनीति है। मीणा ने पेपर लीक मामलों में पूर्ववर्ती गहलोत सरकार की नाक में दम कर दिया था। कांग्रेस के राजस्थान से सत्ता गंवाने का एक बड़ा कारण पेपर लीक मामले भी रहे हैं।

यह निश्चित है कि प्रतियोगी परीक्षाओं के राज्यों में होने वाले संचालन को सौ प्रतिशत चाक–चौबंद करना आसान नहीं है। कोई भी चूक और मिलीभगत पेपर लीक करवा सकती है। राजनीतिक दलों को रोटी सेकने के लिए ऐसे ही मौकों का इंतजार रहता है। यह सिलसिला तब तक चलता रहेगा, जब तक राजनीतिक दल मिल बैठकर किसी नीति पर कायम नहीं होते। तब तक न सिर्फ युवाओं के हितों पर कुठाराघात होता रहेगा, बल्कि सरकारी संसाधन और धन का भी नुकसान होता रहेगा।

विसंगतियों पर तीव्र प्रहार का दस्तावेज है बाजार से गुजरा हूँ

बाजार से गुजरा हूँ सुपरिचित साहित्यकार सुरेश उपाध्याय का पहला व्यंग्य संग्रह है। इसके पूर्व लेखक के दो आलेख संग्रह ष्हाशिये की आवाजष् ष्अतिसर्वत्र विराजितेष् और दो कविता संग्रह ष्शब्दों की बाजीगरी नहींष् ष्नई रोपणीष् प्रकाशित हो चुके हैं। देश के विभिन्न समाचार पत्र–पत्रिकाओं में सुरेश उपाध्याय की व्यंग्य रचनाएं निरंतर प्रकाशित हो रही हैं। व्यंग्यकार ने इस संग्रह की रचनाओं में वर्तमान समय में व्यवस्था में फैली अव्यवस्थाओं, विसंगतियों, विकृतियों, विद्रूपताओं, खोखलेपन, पाखण्ड इत्यादि अनैतिक आचरणों को उजागर करके इन अनैतिक मानदंडों पर तीखे प्रहार किए हैं। सुरेश उपाध्याय को जो बातें, विचार–व्यवहार असंगत लगते हैं, वे उसी समय अपनी लेखनी से त्वरित व्यंग्य आलेखों के माध्यम से राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक क्षेत्र से जुड़े सभी कर्णधारों को सचेत करते रहते हैं और पाठकों का ध्यान आकृष्ट कर उन्हें झकझोर कर रख देते हैं। ष्चलती रेल में बैठने का मजा ही कुछ और हैष् व्यंग्य रचना राजनेताओं पर गहरा कटाक्ष है। इस व्यंग्य रचना में रेल यात्रा और चुनावी प्रक्रिया के बीच एक दिलचस्प तुलना की गई है, जहां राजनीति को एक रेल यात्रा के रूप में देखा गया है। यह विचारणीय है कि चुनावों में उम्मीदवारों और दलों के लिए प्लेटफार्म पर अफरा–तफरी का माहौल होता है, जो एक प्रतीक है चुनावी हलचल का। यहाँ पर टिकट का जिक्र यह दिखाता है कि चुनावी प्रतिस्पर्धा में, जो व्यक्ति जिस पार्टी या नेता को विजयी होते देखता है, वह उसके साथ जुड़ने की कोशिश करता है, और यदि उसकी पहली पसंद नहीं मिलती, तो वह वैकल्पिक रास्ता अपनाने के लिए तैयार रहता है। ष्खिचड़ी बनाम बेमेल खिचड़ीष् व्यंग्य रचना में व्यंग्यकार लिखते है कि बिना विचारधारा व कार्यक्रम के केवल सत्ता प्राप्ति के लिए राजनीतिक दलों में बेमेल खिचड़ी पकती है। लेखक आगे लिखते हैं राजनीति के बिगड़े स्वास्थ्य को ठीक करने के लिए सही मिश्रण व अनुपात की खिचड़ी की आवश्यकता जनता महसूस कर रही है। ये तो होना ही थाष् व्यंग्य रचना में व्यंग्यकार ने वाटर प्लस में नंबर वन शहर की पोल खोल कर रख दी है। इस रचना में लेखक ने व्यवस्था में फैली अव्यवस्थाओं पर तीखा प्रहार किया है। यह व्यंग्य हमारे शहर के जनप्रतिनिधियों पर गहरा कटाक्ष है। ष्मुखौटे ही मुखौटेष् रचना में लेखक ने दर्शाया हैं कि नेता लोग अपने असली चेहरे को छिपा कर एक नकली या दिखावे का रूप अख्तियार करते हैं। राजनीति, समाज और जीवन के अन्य क्षेत्रों में यह विशेष रूप से प्रासंगिक है, जहाँ लोग अपने वास्तविक स्वभाव, उद्देश्यों या विचारों को छुपाते हुए समाज में एक सजग और आकर्षक चेहरा प्रस्तुत करते हैं। ष्खेल, खेला और प्रबंधनष् व्यंग्य रचना आज की चुनावी राजनीति पर करारा कटाक्ष है। शीर्षक रचना ष्बाजार से गुजरा हूँष् उपभोक्तावादी संस्कृति पर विनोदपूर्ण और चुटीली भाषा में रोशनी डाली गई है। नाम में क्या रखा है?ष् रचना में लेखक ने लिखा हैं ष्नाम में कुछ रखा हो या न रखा हो लेकिन नाम बदलने में बहुत कुछ रखा है। इसमें इतिहास रखा है, इतिहास को बदलने की मंशाएं रखी हैं, राजनीति रखी है, निष्फलता, निष्क्रियता व अकर्मण्यता को छुपाने की बलवती इच्छाएँ रखी है, समय के ज्वलंत मुद्दों से ध्यान हटाने की कूटनीति रखी है, कुछ न करते हुए कुछ करते हुए दिखने की इबारत लिखी है।ष शहरों, सडकों, पुलों, संस्थानों, विश्वविद्यालयों, भवनों, स्टेडियम, बस व रेल स्टेशन, हवाई अड्डों, विभिन्न सरकारी योजनाओं के नाम बदलने को लेकर व्यंग्यकार ने कटाक्ष किया है। ष्कूटनीति बनाम कूट नीतिष् व्यंग्य रचना में शक्तिशाली देशों द्वारा कमजोर देशों की कुटाई का रोचक चित्रण किया है। ष्रेवड़ी फिर बदनाम हुईष् में व्यंग्यकार देश में सरकार द्वारा मुफ्त में बांटी जा रही रेवड़ी, छूट, अनुदान के प्रति चिंतित दिखाई देते हैं। जंगल में बहार का जतनष् ष्लहर पे लहर और कोशिश की डगरष् षविश्वास की शपथ और शपथ पर विश्वास ष्सरकारी ही असरकारी हैष् ष्अपुन तो निर्दलीयष् ष्उचित मूल्य की दुकान, चोरी और बदनामीष् ष्टेगड़ों की व्यथा–कथाष् ष्राज को राज रहने दोष् ष्कबाड़ी की दुकान में पार्टीष् जैसे व्यंग्य अपनी विविधता का अहसास कराते है और पढ़ने की जिज्ञासा को बढ़ाते हैं। वैसे व्यंग्य की राह बहुत कठिन और साहस का काम है, लेकिन सुरेश उपाध्याय की लेखनी का नश्तर व्यवस्था में फैली अव्यवस्थाओं, विसंगतियों पर तीव्र प्रहार करता है। व्यंग्य लेखन में सुरेश उपाध्याय की सक्रियता और प्रभाव व्यापक है। व्यंग्यकार ने इस संग्रह में व्यवस्था में मौजूद हर वृत्ति पर कटाक्ष किए हैं। व्यंग्यकार सुरेश उपाध्याय ने अपनी सहज लेखन शैली से गहरी बात सामर्थ्य के साथ व्यक्त की हैं। संग्रह की विभिन्न रचनाओं की भाषा, विचार और अभिव्यक्ति की शैली वैविध्यतापूर्ण हैं। इस व्यंग्य संग्रह में अधिकांश व्यंग्य सामयिक घटनाओं पर आधारित है। संग्रह की रचनाएं पाठकों के दिलों को छू लेती हैं। आशा है इस व्यंग्य संग्रह का साहित्य जगत में स्वागत होगा।

इतिहास.... प्याज ही तो है

संतोष उत्सुक

इतिहास के छिलके उतारने वाले, समाज में कभी कम नहीं होते। हैरानी यह है कि इतिहास को प्याज समझकर उसके बदबूदार छिलके ही उतारे जाते हैं। इतिहास लिखने वालों ने भी किस्म किस्म के दबाव में सब लिखा तो पूरी पारदर्शिता और ईमानदारी कैसे बरत सकते थे। शक्तिशाली राजनीति इतिहास की मरम्मत लगातार करती रहती है। अब इतिहास संशोधित करने वाले उसके अपने हैं। इतिहास की किताबी बातें छोडो असली चीजें बहुत उदास हैं। उनकी देखभाल न करने में खूब आनंद लिया जा रहा है। उधर भूख, गरीबी, क्षेत्रवाद, सम्प्रदायवाद, जातिवाद और आतंकवाद की बोलती बंद है। बेरोजगारी और भ्रष्टाचार जरूर नया इतिहास रच रहे हैं। कई बार लगता है समाज में कोई समस्या नहीं है।

ऐसी स्थिति में कुछ तो महत्वपूर्ण काम हाथ में लेना ही चाहिए ताकि मनपसंद इतिहास रचा जा सके। इस बहाने औरों को भी प्रेरणा मिलेगी और लोग बाग अपना पारिवारिक इतिहास भी रचाएंगे। पढ़ना हमेशा की तरह अभी भी टेढ़ा काम है और वर्तमान धर्मयुग में गैर जरूरी भी लगता है क्यूंकि यह नौकरी नहीं दिलाता, खबर नहीं बनाता, प्रेम करने की प्रेरणा नहीं देता।

जब वक्त की गर्दन कब्जे में हो, सम्पन्नता राजनीति की गोद में बैठी हो तो उद्वेलित मन कुछ अलग व नया महा ऐतिहासिक रचने को करता ही है। विशिष्ट, विराट, शक्तिशाली युग प्रवर्तक व्यक्तित्व जब भी इस धरा पर अवतरित हुए हैं नया इतिहास रचा गया है। वर्तमान बदलना और बचाना बहुत मेहनत मांगता है। भविष्य बनाने के लिए विजन उगाना पड़ता है। राजकवि और लेखक नव इतिहास को कलमबद्ध करने को तैयार रहते हैं। इस बहाने कई समस्याएं स्वतरू खत्म हो जाती हैं। अब हमारे यहां समझदार लोग ज्यादा पैदा होने शुरू हो गए हैं। जो पहले थे वे ना समझ, नॉन देशभक्त टाइप लोग थे। उन्हें पता ही नहीं चलता था कि देश में क्या क्या रचा जा रहा है। कहां कहां कितना विकास किया जाना चाहिए। ऐसे ही नासमझ करोड़ों पर्यटक रहे जो यहां आकर घूमते फिरते रहे। हमारी चाट पकौड़ी खाते रहे। उन्होंने भी नया इतिहास रचने की जरा भी प्रेरणा नहीं दी। अब बुद्धिमस्त लोग नित नया इतिहास रच रहे हैं। गंगा पूरी तरह साफ स्वच्छ हो चुकी है। इस दौरान यह उम्दा ख्याल दिमाग में रहा कि लगे हाथ क्यूं न गलत लिखे इतिहास को भी क्लीन कर दें। वैसे भी जबरदस्त, चमकदार, खुशबूदार सफाई का युग चल रहा है तो इतिहास को क्या किसी को भी बख्शना नहीं चाहिए। समाज के सभी ऐतिहासिक धब्बे धो डालने चाहिए। एक बार कठोरतम निर्णय लेकर इतिहास को दोबारा पूरी वफा और ईमानदारी से रचना चाहिए। इतिहास तो प्याज जैसा ही रहेगा जिसमें से आंसू निकालू गंध आती है। विकास होता रहेगा तो इसके छिलके उतरते रहेंगे।

आठवां वेतन आयोग कब से होगा लागू, कितनी बढ़ेगी सैलरी

2025 का साल शुरू हो चुका है। देश की राजधानी दिल्ली में चुनाव भी होने हैं। बजट भी आने वाला है। मतलब साल की शुरुआत में ही राजनीतिक से लेकर आर्थिक गतिविधियां अपने उफान पर रहने वाली हैं। लेकिन तमाम कवायदों के बीच देश के सरकारी कर्मचारियों के लिए 16 जनवरी की तारीख इस साल का सबसे पसंदीदा दिन हो गया है। हो भी क्यों ने मोदी कैबिनेट ने आठवें वेतन आयोग के गठन को मंजूरी जो दे दी है। सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 16 जनवरी को जानकारी देते हुए कहा कि जल्द ही कमीशन के चेयरमैन और दो मेंबर्स की नियुक्ति भी कर दी जाएगी। जिससे सातवें वेतन आयोग का कार्यकाल खत्म होने से पहले नए वेतन आयोग की सिफारिशें मिल जाए। वैसे तो अश्विनी वैष्णव ने इससे ज्यादा डिटेल नहीं दी, लेकिन खुश होने के लिए इतनी खबर भी काफी है। वैसे तो एक दम पक्के तौर पर ये फिलहाल नहीं बताया जा सकता कि आठवें वेतन आयोग की सिफारिशों के बाद आपका वेतन कितना बढ़ेगा लेकिन पिछले वेतव आयोग की सिफारिशों के आधार पर मोटा–माटी अंदाजा तो लगा ही सकते हैं। तो आज का एमआरआई स्कैन वेतन आयोग के नाम करते हैं। जानेंगे कि देश में वेतन आयोग का गठन कब से किया गया। किस आधार पर सैलरी में बढ़ोतरी का सुझाव सुझाया जाता है। आठवां वेतन आयोग कब लागू हो सकता है, और सबसे मेन बात इसके लागू होने से सैलरी और पेंशन में कितना पइसा बढ़ कर आएगा।

छठे वेतन आयोग में क्या हुआ?

छठे वेतन आयोग को जनवरी 2006 में लागू किया गया था। इसमें मामूली बदलाव पेश किए थे, लेकिन फिर भी वेतन और पेंशन में सुधार हुआ। छठे वेतन आयोग के तहत फिटमेंट फैक्टर 1.86 था। इसलिए, 5वें वेतन आयोग में न्यूनतम मूल वेतन 2,750 रुपये से बढ़ाकर 7,000 रुपये कर दिया गया था। पेंशनभोगियों को भी मामूली लाभ हुआ, न्यूनतम मूल पेंशन 1,275 रुपये से बढ़कर 3,500 रुपये प्रति माह हो गई।

7वें वेतन आयोग में वेतन और पेंशन में बढ़ोतरी

7वां वेतन आयोग 1 जनवरी 2016 को लागू हुआ। इसने केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए कई बड़े बदलाव पेश किए। सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक फिटमेंट फैक्टर था, जिसे 2.57 पर सेट किया गया था। इसका मतलब यह था कि मूल वेतन को 2.57 से गुणा किया जाएगा, जिससे केंद्र सरकार के कर्मचारियों के बीच सभी स्तरों पर वेतन में वृद्धि होगी। 7वें वेतन आयोग ने भी न्यूनतम मूल वेतन 18,000 रुपये की सिफारिश की है, जो छठे वेतन आयोग के तहत पिछले 7,000 रुपये से अधिक है। इसके अलावा, पेंशन में भी अच्छी वृद्धि देखी गई। पेंशनभोगियों के लिए, छठे वेतन आयोग के तहत न्यूनतम मूल पेंशन 3,500 रुपये से बढ़कर 9,000 रुपये हो गई।

कब से लागू होंगी सिफारिशें?

जस्टिस एके माथुर की अध्यक्षता वाले 7वें वेतन आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2016 को लागू की गई थीं। उस आयोग का 10 वर्षों का कार्यकाल 31 दिसंबर 2025 को पूरा हो जाएगा। वैष्णव के मुताविक, इससे पहले ही नया आयोग वनाने से सिफारिशें जल्दी मिलने और उन पर विचार करने के लिए पर्याप्त समय मिल जाएगा। केंद्र की मंजूरी के वाद आठवें आयोग की सिफारिशें 1 जनवरी 2026 से लागू हो सकती हैं।

किन बातों पर होगा विचार ?

आयोग वेतन–पेंशन में संशोधन का सुझाव देते समय उचित फिटमेंट फैक्टर तय करेगा। इसमें महंगाई, लेवर मार्केट की स्थिति और सरकारी खजाने के हाल का ध्यान रखा जाएगा। आयोग राज्य सरकारों और सार्वजनिक उपक्रमों से भी विचार–विमर्श करेगा क्योंकि केंद्रीय कर्मचारियों के वेतन–भत्ते में किसी भी वढ़ोतरी के वाद इन पर भी सैलरी बढ़ाने का दवाव वनता है और आमतौर पर राज्य इसी तर्ज पर बढ़ोतरी करते हैं। आयोग पे–स्केल और दूसरी चीजों में वदलाव का भी सुझाव दे सकता है। 7वें वेतन आयोग ने ग्रेड पे सिस्टम की जगह नया पैमाना पेश किया था। जस्टिस वी एन श्रीकृष्णा की अध्यक्षता वाले छठे वेतन आयोग ने पे बैंड और ग्रेड पे की व्यवस्था का सुझाव दिया था। उसकी सिफारिशों के आधार पर मिनिमम सैलरी 7000 रुपये महीने और अधिकतम मंथली सैलरी 80000 रुपये महीने तय हुई थी। केंद्रीय कर्मचारियों का महंगाई भत्ता उनकी वेसिक सैलरी के 50: से ज्यादा हो चुका है।

कितना बढ़ सकता है वेतन?

यह आयोग के सामने रखे जाने वाले प्रतिवेदनों और विचार–विमर्श के बाद होने वाले निर्णय पर निर्भर करता है। अभी वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के साथ आम बजट से पहले हुई मीटिंग में मजदूर संघों ने 8वां वेतन आयोग वनाने की मांग दोहराई थी 7वें वेतन आयोग के सामने कर्मचारी संघों ने फिटमेंट फैक्टर 3.68 करने की मांग की थी। हालांकि 2.57 की मंजूरी मिली थी। इसके चलते मिनिमम वेसिक सैलरी 7000 रुपये से 2.57 गुना बढ़ाकर 18000 रुपये महीना कर दी गई। हालांकि. अधिकतम वेतन ढाई लाख रुपये तय किया गया, जो कैबिनेट सेक्रेटरी के लिए है। मिनिमम पेंशन 3500 रुपये से बढ़कर 9000 रुपये महीने हो गई थी। अधिकतम पेंशन 1.25 लाख रुपये तय की गई थी।

न्यूज डायरी

पुलिस व एस एस बी द्वारा इंडो नेपाल बॉर्डर पर किया गया पैदल गस्त

संवाददाता

बलरामपुर। आज दिनांक 19.01.2025 को पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में नेपाल के सीमावर्ती थानों की पुलिस व एस0एस0बी0 की संयुक्त टीम द्वारा जनपद में शान्ति,सुरक्षा व कानून व्यवस्था बनाये रखनें हेतु इंडो नेपाल बॉर्डर पर पैदल गस्त किया गया। इस दौरान ग्राम सकरा सकरी बॉर्डर थाना कोतवाली गैसड़ी इंडो नेपाल सीमा तथा अन्य बार्डर एरिया से सटे गाँवों में निरन्तर पैदल गस्त कर दौरान संदिग्ध वाहनों,व्यक्तियों की चेकिंग की गयी । व इण्डो नेपाल बार्डर पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों पर सतर्क दृष्टि रखी जा रही है। नेपाल राष्ट्र की सीमा पर सतर्क दृष्टि रखने के हेतु समय–समय पर सीमा से सटे हुए गावों के ग्राम सुरक्षा समिति व संम्भ्रान्त व्यक्तियों को मादक पदार्थों की तस्करी ,मानव व गौ तस्करी, अवैध कटान व अन्य संदिग्ध गतिविधियों को रोकने के बारे मे लोगों को जागरूक किया जा रहा है तथा संदिग्ध व्यक्तियों की सूचना तत्काल पुलिस को देनें के बारें मे बताया जा रहा है , जिससे पुलिस द्वारा इस तरह की गतिविधियों में संलिप्त असामाजिक तत्वों पर प्रभावी अकुंश लगाया जा सके । पुलिस टीम द्वारा SSB के साथ पैदल गस्त के दौरान नेपाल बॉर्डर से सटे गांव का भ्रमण कर जनमानस को सुरक्षा का एहसास दिलाया गया । तथा बताया गया कि शान्ति और कानून व्यवस्था बनाये रखना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है।

मनरेगा योजना में भ्रष्टाचार का बोलबाला, जिम्मेदार बने अनजान - ग्रामीण

संवाददाता

हरैया,बलरामपुर। जिले के ब्लाक हर्रैया सतघरवा क्षेत्र के ग्राम सभा धनघटा में मनरेगा योजना में प्रधान व रोजगार सेवक और पंचायत सचिव की मिली भगत से मनरेगा में काम कर रहे मजदूरों की फर्जी हाजिरी का मामला सामने आया है। गांव के लोगों ने प्रार्थना पत्र देकर जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। गांव के लोगों के शिकायत पर जांच करने पहुंचे खंड विकास अधिकारी हर्रैया सतघरवा ने शिकायत की जांच करते हुए कई साइडों पर जाकर जांच की, जिसमें एक भी साइड पर मजदूर नजर नहीं आए। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्राम प्रधान व रोजगार सेवक और पंचायत सचिव फर्जी तरीके से गांव में भ्रष्टाचार कर के सरकार के धान का दुरुपयोग कर रहे हैं। और बंदर बांट कर रहे हैं। कम लेबर मनरेगा में काम करते हैं लेकिन सैकड़ो लोगों की हाजिरी फर्जी तौर पर लगाकर सरकार के पैसे का बंदरबांट गांव सभा के पैसे का लगातार किया जा रहा है। जांच करने पहुंचे खंड विकास अधिकारी ने बताया कि शिकायत मिली थी। उसकी जांच की जा रही है। साइडों पर मजदूर नहीं मिले ।स्थानीय लोगों ने सभी मजदूरों को बाजार जाना बताया है । वही शिकायतकर्ताओं ने वीडियो हर्रैया सतघरवा पर रोजगार सेवक के पक्ष में मिली भगत करके लीपा पोती करने का आरोप लगाया है। और बताया कि स्थानीय मथुरा दरगाह पर बाजार मंगलवार को लगता है। जबकि जांच शनिवार को हो रहा है । इसके अलावा जो भी बाजार लगता है। वह करीब 20 किलोमीटर की दूरी पर लगता है। ऐसे में मनरेगा में हो रहे भ्रष्टाचार के बंदर बांट करने के लिए लीपा पोती की जा रही है।

03 पारिवारिक विवाद का किया गया सफल निस्तारण

संवाददाता

बलरामपुर।पुलिस अधीक्षक बलरामपुर विकास कुमार के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक श्रीमती नम्रिता श्रीवास्तव के पर्यवेक्षण में पुलिस अधीक्षक कार्यालय परिवार परामर्श केंद्र की बैठक में पारिवारिक विवाद पत्रावलियां विचारार्थ प्रस्तुत हुई। जिसमें 03 पत्रावलियों का सफल निस्तारण संभव हुआ पारिवारिक विवाद निस्तारण में परामर्शदाता अरुण कुमार यादव,देवतादीन दूबे वन्दना मिश्रा, महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक विनिता चतुर्वेदी, महिला कांस्टेबल मनीषा का सराहनीय योगदान रहा।

घरौनी बना कर भाजपा सरकार ने ग्रामीणों को बनाया घर का मालिक - रामचन्दर यादव

विकास खंड रुदौली के सुभाष चंद्र अग्रवाल सभागार में आयोजित हुआ घरौनी वितरण कार्यक्रम

संवाददाता

अयोध्या। गांव में रहने वालों के घर की घरौनी बना कर भाजपा सरकार ग्रामीणों को घर का मालिक बनाया है। अब ग्रामीणों के पास घर की घरौनी और खेत की खेतौनी होगी। विकास खंड रुदौली के सुभाष चंद्र अग्रवाल सभागार में आयोजित घरौनी वितरण कार्यक्रम में विधायक राम चंद्र यादव ने उपरोक्त विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ग्रामीणों के पास घर के मालिकाना हक का प्रमाण पत्र नहीं था। जिससे आए दिन नए विवाद होते रहते थे। घरौनी से ग्रामीण अपने घर के मालिक बन गए है। घरौनी से अब घर बनाने का कर्ज भी बैंक से घरौनी स्वामी ले सकेंगे। कहा कि पीएम स्वामित्व योजना

के आयोजित घरौनी वितरण कार्यक्रम मे मुख्यमंत्री के लाइव उद्बोधन प्रसारण भी देखा सुना गया।उन्होंने कहा कि स्वामित्व योजना के अंतर्गत गांव की आबादी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को दी जाने वाली घरौनी में उसकी आवासीय संपत्ति का पूरा ब्योरा दर्ज होगा। जिससे कि संपत्ति पर अवैध कब्जे को लेकर झगड़े–फसाद की गुंजाइश न रहे।विधायक ने स्वच्छता एवं नशा मुक्ति को लेकर शपथ दिलाई।

विधायक रामचंद्र यादव ने मवई ब्लाक की चार ग्राम पंचायतों के 40 लाभार्थियों को घरौनी विकास खंड मवई में घरौनी का वितरित किया। इस अवसर पर विकास खंड विकास अधिकारी रुदौली अमित त्रिपाठी, तहसील रुदौली राजेश वर्मा, नायब तहसीलदार रुदौली स्नेहिल वर्मा, सहायक विकास अधिकारी भगवान दीन, मवई में खंड विकास अधिकारी भावना यादव, गन्ना समिति चेयरमैन निर्मल शर्मा,सचिव अंकुर यादव,श्री कांत कृष्णा, प्रधान सुनील मिश्रा, राजेश शर्मा,प्रधान लालता प्रसाद सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

गलत विद्युत बिल बना उपभोक्ताओं के गले की फांस, कैसे करें बिल का भुगतान

विद्युत विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे उपभोक्ता
बिजली दफ्तर का लगा रहे चक्कर बिल संशोधन कैंप बना छलावा

संवाददाता

अयोध्या। विद्युत विभाग की लापरवाही का खामियाजा मिल्कीपुर के उपभोक्ताओं को भुगतना पड़ रहा है। मिल्कीपुर में घरेलू उपभोक्ताओं का गलत बिलिंग होने से उन्हें बिजली दफ्तर का चक्कर लगाना पड़ रहा है। हालांकि विद्युत विभाग के अधिकारी द्वारा गलत बिलिंग को दुरुस्त कराने का दावा भले ही किया जा रहा हो, लेकिन बिजली दफ्तर में बिजली बिल दुरुस्त कराने के लिए उपभोक्ताओं का जमावड़ा अक्सर लगा रहता है।

विद्युत उपभोक्ताओं का गलत बिल संशोधित किए जाने हेतु बिजली दफ्तर पर लगाया गया, बिल संशोधन कैंप में भी पीड़ित उपभोक्ताओं की समस्या का निदान नहीं हो सका है। कैंप में गलत बिल संशोधित किए जाने का दावा करने वाले अधिकारियों से भी अब उपभोक्ताओं का विश्वास पूरी तरह से उठ गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विद्युत उपकेंद्र मिल्कीपुर एवं कुमारगंज की लापरवाही से घरेलू कनेक्शन की बिलिंग ज्यादा आने से सरकार की महत्वाकांक्षी योजना का लाभ विद्युत उपभोक्ताओं को नहीं मिल पा रहा है। विद्युत विभाग की लापरवाही का खामियाजा भुगत रहे उपभोक्ता ओटीएस का लाभ नहीं उठा पा रहे हैं। विद्युत विभाग द्वारा गलत बिल निकालने से हजारों उपभोक्ता सरकार की योजना का लाभ उठाने से वंचित हो रहे हैं। बिल दुरुस्त कराने के लिए बिजली दफ्तर में सुबह से

लेकर शाम तक उपभोक्ताओं की लाइन लगी रहती है। लेकिन विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा बिल ठीक कराने के नाम पर उन्हें आश्वासन ही दिया जाता है। बिजली दफ्तर आए उपभोक्ताओं का कहना है कि विभाग द्वारा द्वारा गलत बिल निर्गत किए जाने से एक मुफ्त समाधान योजना के लाभ से वंचित होना पड़ रहा हैं। कस्बा कुमारगंज मैं लगाए गए उपकेंद्र पर विद्युत कनेक्शन खाता संख्या 1590003000 के ग्राम जिगनाही निवासी उपभोक्ता चंद्रभान सिंह पुत्र रामनरेश जो की निरंतर खराब स्वास्थ्य के बाद भी विद्युत विभाग कैसे कैंप में अपना प्रार्थना पत्र देने आए थे उपस्थित कर्मचारियों ने प्रार्थना पत्र तो ले लिया लेकिन कहा कि इसमें कोई मदद वे नहीं कर सकते। कई उपभोक्ताओं ने बताया कि 150000 तक की आरसी उनके घरों पर भेजी गई है जबकि मिल्कीपुर विधानसभा में चल रहे उपचुनाव में प्रदेश के कई मंत्री गांव गांव सभा भी कर रहे हैं फिर भी जनता की आवाज सरकार तक नहीं पहुंच रही है। उत्तर प्रदेश सरकार की विद्युत समाधान योजना का लाभ किसानों को क्या होगा अंदाजा लगाया जा सकता है? गलत बिलिंग से एक मुफ्त समाधान योजना में उपभोक्ताओं के रजिस्ट्रेशन का ग्राफ बहुत कम है।

उपखंड अधिकारी मिल्कीपुर एवं कुमारगंज ने बताया कि तकनीकी त्रुटि से बिल गलत हुआ है, जिसे दुरुस्त करा कर उपभोक्ताओं को एक मुफ्त समाधान योजना का लाभ दिलाया जा रहा है। जबकि वास्तविकता कुछ और ही है।

श्रीराम कथा के पंचम दिवस पर भगवान के सगुण और निरगुण स्वरूप पर गहरा प्रकाश डाला श्रीराम कथा सर्वोच्च है: राधेश्याम शास्त्री

संवाददाता

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के तत्वावधान में चल रही श्रीराम कथा के पंचम दिवस पर राधेश्याम शास्त्री महाराज ने भगवान श्रीराम के सगुण और निरगुण स्वरूप, उनके अवतरण और उनके दिव्य कार्यों का विस्तार से वर्णन किया। अगंद टीला पर आयोजित इस कथा में उन्होंने श्रीराम चरित मानस के अनेक प्रसंगों को समाज और राष्ट्र के लिए अनुकरणीय बताया।कथा के दौरान राधेश्याम शास्त्री ने कहा कि श्रीराम कथा सर्वोच्च है, क्योंकि जब असाधारण लोग इसे सुनते हैं, तो यह साधारण नहीं रहती। उन्होंने यह भी कहा कि यह कथा माता पार्वती की जिज्ञासा से जुड़ी हुई है, जो भगवान की ओर मुड़ी है। भगवान के निरगुण (निराकार) और सगुण (साकार) रूप के बारे में बताते हुए उन्होंने उदाहरण दिया कि जैसे पानी का कोई आकार नहीं होता, लेकिन उसे फ्रिज में रख देने पर वह किसी आकार में ढल जाता है, उसी तरह भगवान का रूप भी ब्रह्म है और वह जब पृथ्वी पर अवतार लेते हैं, तो सगुण रूप धारण कर लेते हैं।राधेश्याम शास्त्री ने यह भी बताया कि भगवान श्रीराम का अवतरण केवल भक्तों के कल्याण के लिए हुआ है, और भक्त होना कोई साधारण बात नहीं है। जब भी भगवान के भक्तों को हानि पहुंची है, तब–तब भगवान ने विभिन्न रूपों में अवतार लिया है। उन्होंने यह भी कहा कि धर्म केवल आस्था का विषय नहीं है, बल्कि वह अपने आचरण और सम्मान में अभिव्यक्त होता है। भगवान का प्रकटीकरण उस समय होता है जब धर्म की हानि होती है।

उन्होंने आगे कहा कि मनुष्य को अपने विचारों और संस्कारों पर अडिग रहना चाहिए और अपने लोक और

परलोक को सुधारने के लिए भगवद् प्राप्ति की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए। राधेश्याम शास्त्री ने यह भी उल्लेख किया कि आजकल लोग अपने बच्चों को अपने धर्म के अनुसार शिक्षा देने के बजाय अन्य धर्मों के संस्थानों में भेज रहे हैं, जबकि हमें अपने बच्चों को अपने संस्कृति और परंपराओं के अनुरूप शिक्षा देनी चाहिए। कथा में धर्म के महत्व पर भी गहरा प्रकाश डाला गया। शास्त्री महाराज ने कहा कि धर्म ही मनुष्य का वास्तविक मित्र है, जो लोक और परलोक दोनों को सुधारता है। श्रीराम के अवतरण का उद्देश्य धर्म की रक्षा था, और वह असुरों से पृथ्वी की रक्षा करने आए थे। धर्म की स्थापना कायरता से नहीं, बल्कि वीरता और शक्ति से होती है, और भगवान में ये दोनों गुण समाहित हैं।उन्होंने सनातन धर्म की समृद्धि और अक्षुण्णता पर भी बल दिया, और कहा कि कुछ लोग आजकल सनातन धर्म पर संशय उत्पन्न करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सनातन धर्म कभी समाप्त नहीं हो सकता। यह अमर और अक्षुण्ण है। शास्त्री महाराज ने यह भी कहा कि समाजवाद का सही रूप श्रीराम और गीता में ही देखने को मिलता है, और जो समाजवाद एक परिवार तक सीमित हो और समाज को विभाजित करे, वह वास्तविक समाजवाद नहीं हो सकता।इस दौरान शास्त्री महाराज ने यह भी कहा कि इस राष्ट्र को बचाने के लिए चार शक्तियाँकृसंत, सती, सैनिक और शहीदकृहैं, जिन्होंने इस राष्ट्र को संबल प्रदान किया है। उन्होंने समाज में पुण्य की स्थापना के लिए पाप का दमन करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।कथा के समापन पर शास्त्री महाराज ने सभी भक्तों से आग्रह किया कि वे अपनी संस्कृति, परंपरा और धर्म को अक्षुण्ण बनाए रखें और श्रीराम के आदर्शों का पालन करें, ताकि समाज में शांति और समृद्धि का वातावरण बन सके।

सीताराम आश्रम के महंत बने मदन मोहन शरण

अयोध्या के प्रमुख संतो के नेतृत्व में हुआ ताज पोसी, करेगे अयोध्या की परंपरा का निर्वहन

संवाददाता

अयोध्या धाम । अयोध्या धाम में संतो महंतों को उत्तराधिकारी बनाने की परंपरा प्राचीन काल से रही हैं इसी क्रम में आज श्री सीताराम आश्रम की जिम्मेदारी महंत मदन मोहन शरण, बासुदेव घाट सोना देवी मार्ग स्थित आश्रम के महंत बनने के बाद संतों धर्माचार्यों ने दिया आशीर्वाद स महंत मदन मोहन शरण ने बताया की मै खुद को बहुत सौभाग्यसाली समझता हूं क्यूंकि मेरे गुरुदेव ने मुझे इस काबिल समझा और मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी सौंपी स महंत मदन मोहन शरण ने बताया।

की पहले की भाति संत सेवा, गौ रक्षा और गौ सेवा के साथ विद्यार्थी सेवा, अभ्यागत सेवा , अतिथि सेवा प्रमुख रहेगा, और महाराज जी के पदचिन्हों पर चलूंगा , महाराज जी के मार्गदर्शन में बहुत कुछ सीखने को मिला स मेरे गुरु ने अयोध्या की जो सनातन धर्म , संस्कृति को संरक्षित करने के लिए, सामाजिक, धार्मिक आध्यात्मिक परंपरा को निभाने का कार्य किया है उसको मैं सदा बनाए रखने का प्रयास करूँगा । इस भव्य कार्यक्रम में मणिरामदास छावनी के उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास, जगद्गुरु राम दिनेश आचार्य, राम बलवा कुंज के अधिकारी राजकुमार

दास, हनुमानगढ़ के उत्तराधिकारी संजय दास , बलराम दास, महंत सच्चिदानंद दास, महंत अवध राम, महंत छविराम दास, विराट दास आदि लोग कार्यक्रम में पहुंचकर उपस्थिति दर्ज कराई ।

नही रहे जनपरद के प्रमुख समाजसेवी जुहेर अंजुम खान

–गरीबों को 02 रुपए में भरपेट भोजन की जिला मुख्यालय पर करवाई थी व्यवस्था

संवाददाता

बाराबंकी। जनपद के सपा के कद्दावर नेता के साथ–साथ समाजसेवी के अग्रणी रहे जुहेर अंजुम खान ने पीजीआई लखनऊ में इलाज दौरान रविवार को अपने पीछे तीन बेटियों को छोड़ उन्होंने अंतिम सांसे ली। बताते चलें कि किडनी की बीमारी के चलते बीती 26 दिसबंर को परिवारीजनों ने इन्हें लखनऊ स्थित संजय गांधी पोस्ट ग्रेजुएट इंस्टिट्यूट आफ मेडिकल साइंस में भर्ती कराया था। जहां रविवार की सुबह उनका देहांत हो गया। जानकारी होते ही उनके बेगमगंज स्थित आवास पर तमाम गणमान्यों का तांता लग गया। जनपद में ही इनके आवास के निकट स्थित कर्बला कब्रिस्तान में उन्हें बड़ी संख्या में नम आंखों से अंतिम विदाई देते हुए सुपुर्द–ए–खाक कर दिया गया।

बताते चलें कि जानकारी देते हुए सपा जिला उपाध्यक्ष ने बताया इनके पिता का ट्रांसपोर्ट से संबंधित कार्यों में संलग्न रहे। तीन भाईयों में सबसे छोटे होने के बावजूद शिक्षा दौरान ही 1986 से इन्होंने सक्रिय राजनीति में प्रवेश करते हुए बेनी बाबू जी अनन्त राम जायसवाल सरीखे वरिष्ठ नेताओं के साथ संघर्ष करते हुए राजनीति में अपना कद बढ़ाया तो समाजवादी पार्टी के गठन के बाद 1991 में इन्हें युवाजन सभा का जिलाध्यक्ष का पदभार सौंपा गया। जिसके बाद यह लोहिया वाहिनी के जिलाध्यक्ष नामित हुए। अभी दो माह पूर्व इन्हें समाजवादी पार्टी का प्रदेश सचिव नामित किया गया था। समाजसेवा के क्षेत्र में गरीबों को सस्ता नाममात्र 1–2 रुपए में खाना वितरित करना, बीते 10 वर्षों से हर माह की 10 तारीख को मरीजों व उनके तीमारदारों को जिला महिला व पुरुष चिकित्सालय में फल–दूध सहित खाद्य सामग्री वितरित करते रहे। सेवा के लिए इनकी एनजीओ जिन्दगी फाउण्डेशन का नाम इनके बेहतरी की कार्यों के चलते शायद ही कोई ऐसा हो जो ना जानता हो। इनके निधन पर तमाम जनपद के लोग अवाक रह गए कई लोंगों ने यह दर्द बयान भी किया कि अब ऐसे आमजन के बेहतरी के प्रयास इतने अपनत्व के साथ कौन करेगा।

दिवंगत अंजुम खान के निधन पर जहां पत्रकार प्रेस महासंघ ने आवास विकास कार्यालय में संगठन के जिलाध्यक्ष जितेन्द्र शुक्ला, उपाध्यक्ष मोहम्मद अहमद, नगर अध्यक्ष सद्दाम राईन, अरशद जमाल, सचिव चौधरी उस्मान अली, प्रदेश अध्यक्ष मध्य संजय वर्मा ष्पंकजष् प्रदेश कार्यालय प्रभारी ऋषभ सैनी, प्रदेश सचिव आर.एन शर्मा, राष्ट्रीय अध्यक्ष (रमई) गुट शैलेन्द्र सिंह पटेल, बीएसपी कोर्डीनेटर आरडी राव आदि ने 02 मिनट का मौन रख उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उन्हे भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

सपा के पूर्व मंत्री गोप, सरताज चौधरी, पूर्व एमएलसी राजेश यादव राजू, पूर्व सभासद मोहम्मद आसिफ, सभासद फैसल, सपा जिला उपाध्यक्ष मो. सबाह, अमित सिंह, राम गोपाल रावत, कांग्रेस जिलाध्यक्ष मो.मोहसिन, सहित सैकड़ों की तादात में लोग मौजूद रहे।

हेलमेट लगाकर दो पहिया वाहन चलायें

संवाददाता

श्रावस्ती।यातायात निदेशालय द्वारा चलाए जा रहे हैं विभिन्न

अभियानों के क्रम में दिनांक 19.01.2025 को पुलिस अधीक्षक जनपद श्रावस्ती घनश्याम चौरसिया के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक प्रवीण कुमार यादव व क्षेत्राधिकारी यातायात आलोक कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात मो0 शमीम एवं यातायात टीम द्वारा परिवहन आयुक्त उत्तर प्रदेश के आदेश के क्रम में जिलाधिकारी महोदय श्रावस्ती के आदेश के अनुपालन में सड़क सुरक्षा अभियान के अंतर्गत सड़कों पर दो पहिया वाहनों के दुर्घटना के रोकथाम के लिए पेट्रोल पंप पर बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चालकों को पेट्रोल न दिए जाने के क्रम में गठित टीम के साथ नो हेलमेट नो फ्यूल के अंतर्गत बदला चौराहा तथा मिर्जापुर चौराहा के बीच पेट्रोल पंप पर पेट्रोल पंप संचालक को बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चालकों को फ्यूल ना देने के लिए निर्देशित करते हुए आम जनमानस को हेलमेट लगाकर ही दो पहिया वाहन चलाने हेतु जागरूक किया गया। साथ ही जनपद के मुख्य मार्गों, चौराहों व स्थानीय बाजारो मे प्रभारी यातायात द्वारा वाहनो पर निशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया तथा आम जनमानस को यातायात नियमो के प्रति जागरूक करने के दौरान सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करने हेतु गुड सेमेरिटन के कर्तव्य के प्रति जागरूक किया गया।

लक्ष्मण एवं बजरंगबली की मूर्ति की हुई प्राण प्रतिष्ठा

संवाददाता

मनकापुर गोंडा– नगर पंचायत मनकापुर के रफी नगर मोहल्ले में स्थित खाकी दास बाबा राम जानकी मंदिर में लक्ष्मण की एवं बजरंगबली की मूर्ति स्थापना रविवार को पूरे विधि विधान के साथ संपन्न हुआ। आचार्य एवं पंडितों के द्वारा पूजा पाठ संपन्न कराया गया। इस अवसर पर मनकापुर कोर्ट प्रबंधक हरीश पांडे ने यजमान के रूप में पूजन किया। मुहूर्त स्थापना के अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष दुर्गेश कुमार बबलू सोनी, सभासद वैभव सिंह, पंडित राम हौसिला शर्मा, पवन कसौधन, दुर्गेश कसौधन, प्रदीप कसौधन, आर के नारद, सौरभ कसौधन, मुकेश कुमार चौबे, रमेश कसौधन, लाले पंडित, आशीष गुप्ता, अमर दीप तथा मनकापुर बाजार के बुद्ध जीवी, माताएं, बहने, बुजुर्ग आदि ने प्रसाद ग्रहण किया।

सामान्य ज्ञान एवं सामान्य गणित प्रतियोगिता पुरस्कार वितरण हुआ

विश्व सेवा संघ, संवाददाता

सिद्धार्थनगर। चौधरी रामराज

जन कल्याण सेवा संस्थान बर्डपुर के द्वारा सामान्य ज्ञान एवं सामान्य गणित पुरस्कार वितरण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। जिसमें 107 विद्यालय के 1343 बच्चों ने प्रतिभाग किया। जिसमें प्रथम स्थान पर 12 बच्चे रहे जिन्हें साइकिल देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय स्थान पर 51 बच्चों को घड़ी देकर सम्मानित किया गया।

इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सदर विधायक श्याम धनी राही रहें। वहीं विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय विद्यालय प्रबंधक संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉक्टर गोस्वामी गौरव भारती, नगर पंचायत कपिलवस्तु के नगर अध्यक्ष प्रतिनिधि जावेद आलम उर्फ चुने प्रधान, राष्ट्रीय लोकदल जिलाध्यक्ष शोभनाथ चौधरी सहित कई कई समाज सेवी रहें। कार्यक्रम का संचालन जवाहरलाल निजाम ने किया। सभी वक्ताओं ने बच्चों का मनोबल बढ़ाया। मुख्य अतिथि सदर विधायक ने कहा कि इस तरह के कार्यक्रम से बच्चों के अंदर प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूकता बढ़ती है। ऐसे कार्यक्रम निरंतर चलते रहना चाहिए। इस विद्यालय के द्वारा अनोखा पहल शुरूआत किया गया है। जिसके लिए यह संस्थान बधाई के पात्र हैं। अनिल चौधरी का कार्य बेहद सराहनीय है।

इस दौरान संजय मिश्रा, घनश्याम जायसवाल, मनोज कुमार कसौधन, रामऔतार चौधरी, आशीष कुमार मिश्रा, राम बहादुर चौधरी, इंद्रजीत मिश्र, बृजेश चौधरी, नीतेश पांडे, दीपेंद्र चौधरी, रामशरण, उपेंद्र कुमार कार्यक्रम के आयोजक अनिल चौधरी सहित चौधरी रामराज पब्लिक स्कूल के समस्त कर्मचारी बंधु सहित कई स्कूलों के छात्र–छात्र एवं अध्यापकगण उपस्थित रहे।

श्रावस्ती के ताइक्वांडो खिलाड़ियों ने लहराया परचम

रिपोर्ट जे पी गोस्वामी

विश्व सेवा संघ

दिनांक 16 जनवरी से 20

जनवरी तक लखनऊ के मिनी इंडूर स्टेडियम में ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वाधान में आयोजित ओपन नेशनल ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जनपद श्रावस्ती के होनहार खिलाड़ियों ने अपना दम खम दिखाते हुए 6 स्वर्ण 9 रजत व 1 कांस्य पदक जीत कर जिले व प्रदेश का नाम रोशन किया जिसके उपलक्ष्य में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी आराध्या शुक्ला,शिवांश वर्मा, श्रद्धा कसौधन,वैष्णवी पासवान, अंशिका गोस्वामी,अभिषेक त्रिपाठी,व रजत पदक विजेता खिलाड़ी,आशुतोष त्रिपाठी,पार्थ पाण्डेय,श्रृष्टि कसौधन,आरती तिवारी,उत्सव तिवारी,दर्शिका गुप्ता,श्रेयांश मिश्र,कुमारी अंजली,आकाश पाण्डेय,तथा कांस्य पदक विजेता खिलाड़ी प्रज्ञा वर्मा को ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के जनरल सचिव आर डी मंगेशकर व टैक्निकल इंचार्ज मनोज कुमार,सहित उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो संघ के अध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह व सचिव राजकुमार तथा अन्य खेल सम्बन्धी पदाधिकारियों ने पदक पहना कर सम्मानित किया साथ में प्रदेश के उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने प्रतियोगिता में आए हुए सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं देते हुए निरंतर खेल से होने वाले फायदों को बताया विजेता खिलाड़ियों के ताइक्वांडो कोच सूर्य प्रकाश पांडेय को भी निरंतर खेल क्षेत्र में उपलब्धि हेतु सराहना करते हुए ताइक्वांडो फेडरेशन ऑफ इंडिया के सचिव आर डी मंगेशकर ने सम्मानित कर हौसला बढ़ाया

सामाजिक मंच द्वारा विधायक विनय वर्मा को अंगवस्त्र पहनाकर किया स्वागत एवं सम्मान

विश्व सेवा संघ संवाददाता

अर्जुन यादव

बढ़नी– इण्डो–नेपाल बार्डर बढ़नी के कृष्णानगर नेपाल के सामाजिक मंच द्वारा विधायक शोहरतगढ़ विनय वर्मा को रविवार को अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत एवं सम्मानित किया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि भारत और नेपाल में रोटी और बेटी का सम्बन्ध है। भारत से विवाह कर नेपाल में लाते हैं और नेपाल से विवाह कर भारत में लाते हैं। इस दौरान अध्यक्ष अकरम पठान, आईटी सेल मैनेजर आरिफ हुसैन, कोषाध्यक्ष नसीम पठान, प्रधान डॉ0 जीवन कुमारी श्रीवास्तव, वरिष्ठ सलाहकार नदीम, सलाहकार बजरंगी गुप्ता, ल्व्क्ब अध्यक्ष बदरे आलम शाह, युवा सचिव असफाक अहमद खान, बृजेश कुमार गुप्ता, अकबाल अहमद, जुनेद अहमद सहित अन्य सम्मानित लोगों द्वारा भव्य स्वागत सम्मान भी किया। वहीं विधायक विनय वर्मा ने इण्डो–नेपाल सामाजिक मंच के सभी सदस्यों को इस स्नेह हेतु ह्रदय से धन्यवाद एवं आभार ज्ञापित किया है।

RNI - UPHIN/2023/87335 GSTIN: 09BTVPC3337B2ZP
हिंदी दैनिक विश्व सेवा संघ समाचार - पत्र
सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा अधिकृत
जनपद - सिद्धार्थनगर से प्रकाशित आपका अपना अखबार
सभी प्रकार के समाचार एवं विज्ञापन हेतु संपर्क करें। संपर्क सूत्र- मो- 7800111808
एक साथ दैनिक अखबार, वेबसाइट, ऐप एवं डिजिटल मीडिया पर आपका Ad दिखेगा।
समाचार प्राप्त करें अब PDF, ऐप, वेबसाइट और यूट्यूब चैनल पर
सर्च करें प्ले स्टोर पर Vishv Seva Sangh
YouTube Google Play VSS WEBSITE
@HindustanNewsNation www.vishvsevasangh.com

नगर पंचायत बढ़नी में मास्टर अब्दुल मुस्तफा के कोचिंग सेन्टर ने आयोजित की सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

विश्व सेवा संघ संवाददाता

अर्जुन यादव

बढ़नी– नगर पंचायत बढ़नी के आजाद नगर वार्ड नं0–8 में स्थित मास्टर अब्दुल मुस्तफा के कोचिंग सेन्टर ने रविवार को एक सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में कोचिंग सेन्टर के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। प्रतियोगिता में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ0 जमाल अहमद (नव जीवन हॉस्पिटल बढ़नी) ने शिरकत की। उन्होंने प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले मोहम्मद आरिफ और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले मोहम्मद कैफ को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर ओके कंप्यूटर इंस्टीट्यूट के संस्थापक और पत्रकार ओजैर खान भी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहें। ओजैर खान ने इस आयोजन को बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम बताया और कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से बच्चों का ज्ञानवर्धन होता है और वे भविष्य में देश के अच्छे नागरिक बन सकते हैं। विशिष्ट अतिथि के रूप में सना इन्टरनेशनल स्कूल के अनुभवी गणित शिक्षक मोहम्मद अशरफ खान भी उपस्थित रहें। सभी अतिथियों ने बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना की। इस प्रतियोगिता का आयोजन छात्रों में सामान्य ज्ञान को बढ़ावा देने और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाने के उद्देश्य से किया गया था। यह प्रतियोगिता बच्चों के लिए एक शैक्षिक और मनोरंजक अनुभव रहा।

विधायक ने नव प्रतिष्ठानों के भव्य शुभारम्भ पर दी बधाई एवं शुभकामनाएं

विश्व सेवा संघ संवाददाता

अर्जुन यादव

बढ़नी– विधानसभा शोहरतगढ़ के नगर पंचायत शोहरतगढ/ अन्तर्गत चेतिया मार्ग स्कॉलर्स स्कूल के बगल में स्थित प्रतिष्ठित व्यवसाई विजय परसुरामका के नव सिटी च्वाइस प्रतिष्ठान के रविवार को भव्य शुभारम्भ किया गया। जिसके बतौर मुख्य अतिथि विधायक विनय वर्मा सम्मिलित हुए। वहीं विजय परसुरामका द्वारा अंगवस्त्र पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया। विधायक विनय वर्मा ने इस नये प्रतिष्ठान हेतु विजय परसुरामका को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं भी दी। इसी क्रम में विधानसभा शोहरतगढ़ अन्तर्गत तुलसीपुर रोड, न्यू बलरामपुर डाइग्नोस्टिक सेन्टर निकट बस स्टॉप बढ़नी में दुर्गेश पाण्डेय के नव प्रतिष्ठान वाश मार्ट (WASHMART) के भव्य शुभारम्भ में मुख्य अतिथि विधायक विनय वर्मा मौजूद रहें। इस दौरान दुर्गेश पाण्डेय ने विधायक को पुष्पगुच्छ देकर स्वागत सम्मान किया। वहीं विधायक विनय वर्मा ने दुर्गेश पाण्डेय एवं वहां उपस्थित सम्मानित लोगों को इस नये प्रतिष्ठान हेतु हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

सिंगर दर्शन रावल ने बेस्ट फ्रेंड धरल सुरेलिया के संग रचाई शादी

एजेंसी

शादियों का सीजन चल रहा है। हाल ही में सिंगर अरमान मलिक ने आशना श्रॉफ से शादी की। खैर, एक और प्रतिभाशाली सिंगर ने शादी की है और वह हैं दर्शन रावल। एक दशक से भी ज्यादा समय से दर्शन ने अपनी मधुर आवाज, प्रतिभा और अच्छे लुक्स से लोगों का दिल जीता है। गौरतलब है कि दर्शन की सबसे ज्यादा फैन संख्या महिलाओं की है। सिंगर ने आखिरकार धरल सुरेलिया से शादी कर ली है।

दर्शन रावल इंस्टाग्राम पर शेयर की फोटोज

दर्शन रावल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी शादी की तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें मस्ती, प्यार और खुशी से भरी हुई हैं। दर्शन और धरल दोनों बेहद ही सुंदर और शानदार लग रहे हैं। इनकी तस्वीरें देखकर हर कोई मुस्कुरा उठेगा। सिंगर ने तस्वीरों के साथ कैप्शन लिखा, प्मेरा सबसे अच्छा दोस्त हमेशा के लिए?ष

फैंस ने बधाईयां दी

दर्शन रावल और धरल सुरेलिया

की शादी की तस्वीरों पर प्रशंसकों की भर–भर के बधाईयां दे रहे हैं। फैन्स ने नवविवाहित जोड़े को बधाई दी। एक व्यक्ति ने लिखा, आप दोनों के लिए गुप्त रूप से शुभकामनाएं देने से लेकर खुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की बात करने तक। आप दोनों बहुत सपनों जैसे लग रहे हैं।ष दूसरे ने टिप्पणी की, आप दोनों को बधाई... आपके लिए बहुत खुश हूं। एक और प्रशंसक ने लिखा, प्तो आखिरकार हम इतने सालों के बाद उसे भाभी कह सकते हैं। एक और टिप्पणी में लिखा है, प्आप लोगों को आपके जीवन के बाकी हिस्सों के लिए केवल और केवल खुशियों की कामना करता हूं।ष

कौन हैं धरल सुरेलिया? घरल के इंस्टाग्राम अकाउंट से पता चलता है कि उनका बैकग्राउड वास्तुकला और डिजाइन में है।

घरल ने CEPT, ETH, Babson और RISD से पढ़ाई की है। दर्शन रावल की तरह ही, धारल भी एक रचनात्मक क्षेत्र से हैं और एक डिजाइन एंटरप्रेन्योर है और चित्रकार भी हैं।

सैफ अली खान पर हमला करने वाला गिरफ्तार आरोपी ने गुनाह कबूल किया

एजेंसी

सैफ अली खान पर हमला

ा स्वीकार करते हुए कहा है, "हां मैंने ही किया।" मुंबई पुलिस ने मामले में एक चौंकाने वाला घटनाक्रम सामने आया है। गिरफ्तार आरोपी का पहला कबूलनामा सामने आया है। 16 जनवरी को हुई इस घटना ने काफी चिंता पैदा कर दी है। इंडियन एक्सप्रेस ने अपनी रिपोर्ट में उल्लेख किया है कि आरोपी ने अपना अपराध कबूल कर लिया है। पोर्टल ने घुसपैठिए की तलाशी ले रहे पुलिसकर्मियों में से एक पुलिस अधिकारी के हवाले से कहा है कि आरोपी ने कथित तौर पर अपराध सैफ अली खान की चाकू घोंपने की घटना में शामिल मुख्य संदिग्ध ा को रविवार तड़के ठाणे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की पहचान शरीफुल इस्लाम शहजाद के रूप में हुई है, जिसे शहर के लेबर कैंप इलाके से पकड़ा गया।

आरोपी का संबंध बांग्लादेश से है

पुलिस ने बताया कि वह ठाणे में रिकी के बार में हाउसकीपिंग स्टाफ के तौर पर काम कर रहा था और पहचान से बचने के लिए उसने अपना नाम विजय दास रख लिया था। पुलिस ने बताया कि वह बांग्लादेश से था और चार–पांच महीने पहले मुंबई आया था। मुंबई की एक अदालत ने रविवार दोपहर आरोपी को पांच दिन की पुलिस रिमांड पर भेज दिया। सैफ अली खान पर गुरुवार को करीब 2:30 बजे बांद्रा वेस्ट स्थित उनके अपार्टमेंट में गर्दन और कंधे सहित छह बार चाकू से वार किया गया। उन्हें इलाज के लिए लीलावती अस्पताल ले जाया गया, जहां पांच घंटे की लंबी सर्जरी के बाद उनकी रीढ़ से ब्लेड का 2.5 इंच का टुकड़ा निकाला गया।

सैफ अली खान के घर में हुआ था हमला

इस हफ्ते सैफ अली खान के बांद्रा स्थित घर पर डकैती की कोशिश की गई। लुटेरे से हाथापाई के बाद अभिनेता गंभीर रूप से घायल हो गए। सैफ अली खान पर गुरुवार को सुबह करीब 2:30 बजे उनके बांद्रा वेस्ट स्थित अपार्टमेंट में गर्दन और कंधे सहित छह बार चाकू से वार किया गया।

सैफ अली खान पर हमला: राखी सावंत ने भयावह घटना पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, ये बिल्डिंग वाले...

एजेंसी

कई बॉलीवुड हस्तियों ने सोशल मीडिया पर सैफ अली खान पर हमले पर प्रतिक्रिया देने से परहेज किया है, राखी सावंत ने इस घटना पर हैरानी जताते हुए एक वीडियो पोस्ट किया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक लंबा वीडियो शेयर किया है, जिसमें मुंबई जैसे शहर के पॉश इलाकों में आलीशान इमारतों में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने सैफ अली खान और करीना कपूर खान के घर पर सीसीटीवी कैमरे न होने पर भी हैरानी जताई।

राखी सावंत का वीडियो वायरल

वीडियो में राखी ने बताया कि वह इस समय दुबई में हैं, लेकिन श्सैफू श के साथ हुई हालिया घटना से वह काफी हैरान हैं। उन्होंने शुरुआत करते हुए कहा, प्हे भगवान! कितनी बुरी खबर। सैफ अली खान, जिनके साथ मैंने पहले भी काम किया है, मेरे संघर्ष के दिनों की शुरुआत में राकेश रोशन जी की फिल्म के एक गाने में। मैं कभी सपने में भी नहीं सोच सकती थी कि सैफू के साथ इतनी बड़ी त्रासदी हो सकती है। राखी सावंत ने बिल्डिंग की मैनेजमेंट टीम से भी सवाल किया कि सीसीटीवी कैमरे क्यों नहीं लगाए गए। प्ये बिल्डिंग वाले क्या करते हैं? आप इतना महीना पैसा लेते हैं, और CCTV कैमरा भी नहीं लगा सकते? कितनी बुरी खबर है ये। राखी सावंत ने हाल ही में बॉलीवुड की शीर्ष हस्तियों के साथ हुई घटनाओं पर भी आश्चर्य और सदमा व्यक्त किया। उन्होंने सलमान खान के मुंबई स्थित आवास के बाहर गोलीबारी के बारे में बात की और बताया कि कैसे उन्हें एक गैंगस्टर समूह ने निशाना बनाया। राखी सावंत ने यह भी मांग की कि पुलिस उस घुसपैठिए के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे जिसने सैफ अली खान पर हमला किया, जिसे उन्होंने करीना कपूर खान का सुहाग बताया। सैफ अली खान के स्वास्थ्य अपडेट के बारे में बात करते हुए, अभिनेता को कथित तौर पर आईसीयू से सामान्य कमरे में स्थानांतरित कर दिया गया है। कहा जाता है कि सर्जरी के बाद उनकी हालत में सुधार हो रहा है। रिपोर्ट्स बताती हैं कि उन्हें दो से तीन दिनों में लीलावती अस्पताल से छुट्टी मिल सकती है। जांच जारी है और पुलिस ने अभी तक हमलावर को गिरफ्तार नहीं किया है।

विश्व सेवा संघ
हिन्दी दैनिक
स्वामी,प्रकाशक मुद्रक व सम्पादक सुनील कुमार चौधरी द्वारा कृष्णा प्रिन्टर्स 04 शिवपुरी कालोनी निकट बासमण्डी,चौराहा लखनऊ, उ0प्र0–01से मुद्रिक कराकर 14 ग्र।0 अहिरौला पोस्ट– औदहीकला तहसील – शोहरतगढ़ सिद्धार्थनगर (यू0पी0) 272201 से प्रकाशित।
सम्पादक
सुनील कुमार चौधरी
मो0–7800111808
समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र सिद्धार्थनगर न्यायालय मान्य होगा।